

**The Form of Knowledge and Truth (Romans 2:20)**

**1. Instructor of the Foolish**

1. "Instructor":

---

---

---

---

---

2. "Of Foolish":

---

---

---

---

---

**2. Teacher of Babes**

1. "Teacher":

---

---

---

---

2. "Of Babes":

---

---

---

---

---

**3. The Form of Knowledge**

1. "Having":

---

---

---

---

2. "The Form":

---

---

---

---

3. "Of the Knowledge":

---

---

---

---

4. "Of the Truth":

---

---

---

5. "In the Law":

---

---

---

***Doctrines:***

1. Man is naturally a fool:

---

---

---

2. Therefore, we need instruction and chastening:

---

---

---

3. The ordinary means for becoming wise is the teaching office of the church:

---

---

---

4. There are various degrees of progress in the faith:

---

---

---

5. The Scriptures are the embodiment, full content, & essential features of knowledge & truth:

---

---

---

***Duties:***

1. Seek wisdom!

---

---

---

2. Receive and grow from the instruction and chastening of teaching:

---

---

---

3. Do not rest content with your current degree of progress in the faith:

---

---

---

4. Be thoroughly outfitted through the Scriptures:

---

---

---

---